भारत का राजपश The Gazette of India

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग **II---खण्ड** 3--- **उ**वलण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 333]

नई विल्लो, शुक्रवार, भ्रगस्त 29, 1975/भाद 7, 1897

No. 333]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 29, 1975/BHADRA 7, 1897

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह श्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 29th August 1975

S.O. 457(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government, being of opinion that it is necessary so to do, hereby constitutes the "Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" consisting of Shri Justice D. M. Sen, Judge of the Gauhati High Court.

[No. F. III. 14014/40/75-NE] M. L. KAMPANI, Jt. Secy.

गृह मंत्रालय

ग्र[ु]।मुसना

नई दिल्ली, 29 ग्रगस्त, 1975

भा॰ आ॰ 457 (म्र).—विधि विरुद्ध कियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1)द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, यह राय होने पर कि ऐमा करना भ्रावण्यक है, एतद्वारा "विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिकरण" गठित करती है, जो न्यायाधिपति श्री डी॰ एम॰ सेन, न्यायाधीश, उच्च न्यायासय, गोहाटी के रूप में हैं।

[सं० फा॰ III. 14014/40/75-एन० ई०]

एम० एल्० कम्पानी, संयुक्त सचिव।

(1975)